

ढाक-व्यय की पूर्व-अदायगी के बिना ढाक द्वारा भेजे जाने के लिये अनुमत. अनुमति-पत्र क्र. भोपाल-505/डब्ल्यू. पी.

पंजी क्रमांक भोपाल डिबीअर 122 (एम. पी.)



मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 313]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 7 अक्टूबर 1981—आश्विन 15, शके 1903

विधि और विधायी कार्य विभाग

भोपाल, दिनांक 7 अक्टूबर 1981

क्र. 23905-इक्कीस-अ(प्रा).—मध्यप्रदेश विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम जिस पर दिनांक 5 अक्टूबर 1981 को राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
शिवनारायण जोहरी, सचिव.

मध्यप्रदेश अधिनियम

क्रमांक ३४ सन् १९८१.

मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम, १९८१

[दिनांक ५ अक्टूबर १९८१ को राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त हुई अनुमति "मध्यप्रदेश राजपत्र" (असाधारण) में दिनांक ७ अक्टूबर, १९८१ को प्रथमबार प्रकाशित की गई].

मध्यप्रदेश फिसरीज एक्ट, १९४८ को और संशोधित करने हेतु अधिनियम.

भारत गणराज्य के बत्तीसवें वर्ष में मध्यप्रदेश विधान मण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

१. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम, १९८१ है.

संक्षिप्त नाम.

२. मध्यप्रदेश फिसरीज एक्ट, १९४८ (क्रमांक ८ सन् १९४८) (जो इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट है) की धारा ३ में,—

धारा ३ का संशोधन.

(क) उपधारा (३) में, खण्ड (एक) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड स्थापित किये जायें, अर्थात् :—

“(च) राज्य के भीतर या राज्य के बाहर मत्स्य के विहित परिमाण से अधिक के विक्रय या क्रय को या मत्स्य के परिवहन या संचलन को, उस स्थिति में के सिवाय जब कि वह अनुज्ञप्ति के अधीन किया जाता है, प्रतिषिद्ध कर सकेंगे;

(चच) उन कालों को विहित कर सकेंगे जिनके दौरान—

(एक) किसी विहित जाति के मत्स्य का मारना या पकड़ना प्रतिषिद्ध होगा;

(दो) किसी विहित जाति के मत्स्य का विक्रय, संचलन या परिवहन, उस स्थिति में के सिवाय जब कि वह अनुज्ञप्ति के अधीन किया जाता है, प्रतिषिद्ध होगा;

(चचच) खण्ड (च) के और खण्ड (चच) के उपखण्ड (दो) के अधीन अनुज्ञप्तियों की मंजूरी और/या उनके लिए दैय फीस तथा उनसे संलग्न की जाने वाली शर्तों का विनियमन कर सकेंगे; और”;

(ख) उपधारा (५) में, खण्ड (ए) और (बी) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड स्थापित किये जायें, अर्थात् :—

“(क) किसी स्थिर इंजन, साधित्र या उपस्कर के, जो मत्स्य पकड़ने के लिए इन नियमों के उल्लंघन में लगाया गया हो या उपयोग में लाया गया हो, अभिग्रहण, उसके हटाये जाने और उसके समपहरण के लिये;

(ख) किसी ऐसे मत्स्य के समपहरण के लिए जो किसी ऐसे स्थिर इंजन, साधित्र या उपस्कर द्वारा उगाप्त किये गये हों अथवा जिनका परिवहन इन नियमों के उल्लंघन में किया गया हो; और

(ग) इन नियमों के उल्लंघन में मत्स्य का परिवहन करने या उन्हें पकड़ने के लिए उपयोग में लाये गये किन्हीं पशुओं, गाड़ियों (कार्ट), जलयानों, वेडों (रेकट्स), नौकाओं या यानों के अभिग्रहण, उनके हटाये जाने और उनके समपहरण के लिये.”

धारा ५ का संशोधन.

३. मूल अधिनियम की धारा ५ के स्थान पर निम्नलिखित धाराएं स्थापित की जायें, अर्थात् :—

शास्तियां.

“५. यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम या उसके अधीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों में से किसी उपबन्ध का उल्लंघन करेगा तो वह, दोषसिद्धि पर कारावास से, जिसकी अवधि एक वर्ष तक की हो सकेगी, या जुर्माने से, जो पांच हजार रुपये तक का हो सकेगा, या दोनों से, दण्डनीय होगा

अपराध का संज्ञान.

५-क. इस अधिनियम के अधीन का प्रत्येक अपराध संज्ञेय होगा.”

धारा ६ का संशोधन.

४. मूल अधिनियम की धारा ६ में,—

(क) उपधारा (२) के परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक स्थापित किया जाय, अर्थात् :—

“परन्तु इस प्रकार गिरफ्तार किये गये किसी व्यक्ति को, दण्ड प्रक्रिया संहिता, १९७३ (१९७४ का सं. २) के उपबन्धों के अनुसार उसके निरोध के लिये मजिस्ट्रेट के किसी आदेश के अधीन के सिवाय, उतने समय से अधिक समय के लिये निरुद्ध नहीं रखा जाएगा जितना कि किसी न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष उसे उपस्थित करने के लिए आवश्यक हो.”;

(ख) उपधारा (३) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा स्थापित की जाय, अर्थात् :—

“(३) समस्त मत्स्य अधिकारियों को इस अधिनियम के अधीन के किसी अपराध के संबंध में तलाशों, अभिग्रहण और अन्वेषण की वही शक्तियां होंगी जो उपनिरोधक की पद श्रेणी के किसी पुलिस अधिकारी की दण्ड प्रक्रिया संहिता, १९७३ (१९७४ का सं. २) के उपबन्धों के अधीन होती हैं.”

धारा ८ का संशोधन.

५. मूल अधिनियम की धारा ८ की उपधारा (१) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा स्थापित की जाय, अर्थात् :—

“(१) अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी अपराध का शमन कलक्टर द्वारा, एक हजार रुपये से अधिक कोई राशि प्रतिगृहीत करके किया जा सकेगा.”

अनुसूची का संशोधन.

६. मूल अधिनियम की अनुसूची में, प्रविष्टि ४ के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जायें, अर्थात् :—

“४-क. किसी प्रतिषिद्ध जाति के मत्स्य का निषेध काल (क्लोज सीजन) के दौरान परिवहन या परिवहन करने का प्रयास जो नियमों के अधीन मंजूर की गई अनुज्ञप्ति की शर्तों के अधीन और उनके अनुसार न किया जाकर अन्यथा किया जाता है;

४-ख. मत्स्य का विहित परिमाण से अधिक परिमाण में विक्रय या परिवहन या विक्रय अथवा परिवहन करने का प्रयास जो नियमों के अधीन मंजूर की गई अनुज्ञप्ति की शर्तों के अधीन और उनके अनुसार न किया जाकर अन्यथा किया जाता है.”

निरसन.

७. मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अध्यादेश, १९८१ (क्रमांक ११ सन १९८१) एतद्वारा निरस्त किया

भोपाल, दिनांक 7 अक्टूबर 1981

क्र. 23906-इक्कीस-अ-(प्रा).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम, 1981 (क्रमांक 34 सन् 1981), का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
शिवनारायण जौहरी, सचिव

MADHYA PRADESH ACT

No. 34 of 1981

THE MADHYA PRADESH FISHERIES (AMENDMENT) ACT, 1981

[Received the assent of the President on the 5th October, 1981; assent first published in the "Madhya Pradesh Gazette (Extra-ordinary)", dated the 7th October, 1981.]

An Act further to amend the Madhya Pradesh Fisheries Act, 1948.

Be it enacted by the Madhya Pradesh Legislature in the Thirty-second Year of the Republic of India as follows:—

1. This Act may be called the Madhya Pradesh Fisheries (Amendment) Act, 1981. Short title
2. In section 3 of the Madhya Pradesh Fisheries Act, 1948 (No. 8 of 1948) (hereinafter referred to as the Principal Act)— Amendment of section 3.
 - (a) in sub-section (3), for clause (f), the following clauses shall be substituted, namely:—

"(f) prohibited sale or purchase of fish or transport or movement of fish within or outside the State in excess of the prescribed quantity except under a licence;
 - (ff) prescribe the seasons during which—
 - (i) the killing or catching of fish of any prescribed species shall be prohibited;
 - (ii) sale, movement or transport of any prescribed species shall be prohibited except under a licence;
 - (fff) regulate the grant of licences under clause (f) and sub-clause (ii) of clause (ff), and/or prescribe the fees payable therefor and the conditions to be attached thereto; and"
- (b) in sub-section (5), for clauses (a) and (b), the following clauses shall be substituted, namely:—
 - "(a) the seizure, removal and forfeiture of any fixed engine, apparatus or equipment erected or used for fishing in contravention of the rules;
 - (b) the forfeiture of any fish procured by means of any such fixed engine, apparatus or equipment or transported in contravention of the rules; and
 - (c) the seizure, removal and forfeiture of any animals, carts, vessels, rafts, boats or vehicles used for transporting or catching fish in contravention of the rules."

- Amendment of section 5.** 3. For section 5 of the Principal Act, the following sections shall be substituted, namely :—
- Penalties.** "5. If any person contravenes any of the provisions of this Act or rules made thereunder, he shall on conviction be punishable with imprisonment for a term which may extend to one year or with fine which may extend to five thousand rupees, or with both.
- Cognizance of offence.** 5-A. Every offence under this Act shall be cognizable."
- Amendment of section 6.** 4. In section 6 of the Principal Act,—
- (a) for the proviso to sub-section (2), the following proviso shall be substituted, namely :—
- "Provided that no person so arrested shall be detained longer than may be necessary for bringing him before a Judicial Magistrate except under an order of the Magistrate for his detention according to the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (No. 2 of 1974).";
- (b) for sub-section (3), the following sub-section shall be substituted, namely :—
- "(3) All Fishery Officers shall have the same powers of search, seizure and investigations in respect of an offence under this Act as a police officer of the rank of a Sub-Inspector has under the provisions the Code of Criminal Procedure, 1973 (No. 2 of 1974)."
- Amendment of section 8.** 5. For sub-section (1) of section 8 of the Principal Act, the following sub-section shall be substituted, namely :—
- "(1) Any offence specified in the Schedule may be compounded by the Collector by acceptance of a sum not exceeding one thousand rupees."
- Amendment of Schedule.** 6. In the Schedule to the Principal Act, after entry 4, the following entries shall be inserted, namely :—
- "4-A. Transporting or attempting to transport any fish of a prohibited species during a closed season except under and in accordance with the conditions of the licence granted under the rules ;
- 4-B. Selling or transporting or attempting to sell or transport fish in excess of the prescribed quantity except under and in accordance with the conditions of the licence granted under the rules."
- Repeal.** 7. The Madhya Pradesh Fisheries (Amendment) Ordinance, 1981 (No. 11 of 1981) is hereby repealed.